Csu/Lib/Book/Dis./2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली

Central Sanskrit University, New Delhi

दिनाँक 31.05.2023

पुस्तक परिचर्चा

सक्षम अधिकारी की स्वीकृति से दिनाँक 31-05-23 को सायं 4 बजे से 5.30 तक पुस्तकालय में मई माह की पुस्तक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में नीता प्रकाशन से वर्ष 2022 में प्रकाशित पुस्तक 'वेद मञ्जूषा' जो 17 खण्डों में है, पर चर्चा-परिचर्चा की गई, माननीय कुलपति जी के निर्देश से यह पुस्तक मुख्यालय सहित सभी परिसरों के पुस्तकालय में क्रय कर के संगृहित की गई है।

इस परिचर्चा में डॉ. अजय मिश्र जी ने पुस्तक के ऊपर आदि से अंत तक सांगोपांग चर्चा की एंव पुस्तकालय में इसकी अत्यंत उपादेयता बताई। डॉ. अमृता कौर एंव डॉ. चक्रधर मेहर ने पुस्तक के सभी खण्डों पर चर्चा करते हुए पुस्तक को वैदिक साहित्य की एक धरोहर के रूप में इंगित किया।

इस परिचर्चा में विश्वविद्यालय के मेधावी शोधछात्रों ने भी उत्साह से भाग लिया, श्री अंकित ने एंव श्री आकाश ने भी पुस्तक के ऊपर अपना मत प्रस्तुत किया। सुश्री डोना मंडल ने वेदमञ्जूषा को अपने शोध कार्य के लिए अति महत्वपूर्ण बताया, उन्होंने कहा कि अनेक संक्रामक रोगों के विषय में इस पुस्तक के 17वें खण्ड में अनेक संदर्भों, का उल्लेख है।

प्रो. बनमाली बिश्वाल जी ने इस पुस्तक पर परिचर्चा करते हुए इसे सभी छात्रों के लिए शोधोपयोगी बताया एवं प्रो. बिश्वाल जी ने कहा कि पुस्तक परिचर्चा से शोध छात्रों का बौद्विक विकास होता है, किन्तु उन्हें पुस्तकों के अध्ययन द्वारा अपने लेखन में भाषा संबधित विकास करना अत्यंत आवाश्यक है।

मुख्यालय के पुस्तकालय में आयोजित इस पुस्तक परिचर्चा में प्रो. बनमाली बिश्वाल, डॉ. अजय मिश्र, डॉ. चक्रधर मेहर, डॉ. सी.बी.मीना, डॉ. अमृता कौर के साथ ही विश्वविद्यालय के विद्यावरिधि शोधछात्र अंकित,आकाश एंव सुश्री डोना मंडल शोधछात्रा उपस्थित रहे। सभा की अध्यक्षता प्रो. बनमाली बिश्वाल जी ने की एंव धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती स्नेहलता उपाध्याय ने किया।

Book Discussion

With the approval of the competent authority, a book discussion for the month of May was organized in the library on 31-05-23 from 4 pm to 5.30 pm. In this discussion, the book 'Ved Manjusha' published in the year 2022 from Neeta Prakashan, which is in 17 sections, was discussed,

and with the instructions of Honb'le Vice Chancellor, this book has been purchased by the libraries of all campuses including the headquarters.

In this discussion, Dr. Ajay Mishra discussed Sangopang from beginning to end of the book and told its utmost utility in the library. Dr. Amrita Kaur and Dr. Chakradhar Mehar while discussing all the sections of the book pointed out the book as a heritage of Vedic literature.

In this discussion, meritorious research students of the university also participated enthusiastically. Mr. Ankit and Mr. Akash also presented their views on the book. Ms. Dona Mandal described Vedamanjusha as very important for her research work. She said that many references are mentioned in the 17th section of this book regarding many infectious diseases.

While discussing this book, Prof. Banmali Biswal called it research useful for all the students and Prof. Biswal said that book discussion leads to intellectual development of research students, and it is very important for them to develop language related to their writing by studying books.

In this book discussion organized in the head quarter's library, Prof. Banmali Biswal, Dr. Ajay Mishra, Dr. Chakradhar Mehar, Dr. C.B. Meena, Dr. Amrita Kaur, along with University research scholars Ankit, Akash and Ms. Dona Mandal were present. The meeting was chaired by Prof. Banmali Biswal and vote of thanks was done by Mrs. Snehlata Upadhyay.

31.5.23
सहा. पुस्तकालयाध्यक्ष
Assistant Librarian

B. Biswal 31/05/2023
अधिष्ठाता शैक्षिक वृत्त
Dean (Academic Affairs & Students Welfare)